हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार 17 फरवरी 2026

तापमान
अधिकतम 29.2 डिग्री
न्यूनतम 9.2 डिग्री

शहर की लाइफलाइन दिल्ली बाइपास पर सरेराह वारदात
गोगा को गोलियों से छलनी कर दिया

दहशत में रोहतक
लगातार हो रही हत्याओं, धमकियों और लूटपाट से डरे लोग
सुरक्षा पर सवाल
मर्डर लाइव

रिटौली से शुरू हुआ सिलसिला अब तक ले चुका 6 की जान

दो बदमाशों ने शाम करीब 7 बजे अंधाधुंध फायरिंग कर बाबा गैंग के दिनेश उर्फ गोगा को मार डाला

1. बदमाशों ने दिल्ली बाइपास चौक पर नोबल हार्ट अस्पताल के सामने कोल्ड ड्रिंक लेकर जा रहे दिनेश उर्फ गोगा का पीछा किया और नजदीक आ गए।

2. दोनों बदमाशों ने गोगा को गर्दन पकड़कर नीचे सड़क पर गिराया दिया और पूरी मैगजीन उसके सीने में उतार दी। लोग देखते रहे कोई पास नहीं आया।

3. बदमाश संतुष्ट नहीं हुए तो दोबारा मैगजीन बदल कर फायरिंग की। गोगा को करीब 20 गोलियां लगीं।

4. सरेराह वारदात को अंजाम देकर बदमाश मौके से बड़े आराम से चलते बने। इतने भीड़भाड़ वाले रास्ते पर किसी ने भी उन्हें रोकने की जहमत नहीं उठाई।

5. वारदात के बाद गोगा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। बदमाशों के जाने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। लोग भी एकत्र हो गए।

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

शहर की लाइफ लाइन कहे जाने वाले दिल्ली बाइपास पर सोमवार को देर शाम करीब सात बजे हुए दिल दहला देने वाले हत्याकांड ने हर किसी को हिलाकर रख दिया है। बताया जा रहा है कि हिमांशु भाऊ गैंग के बदमाशों ने बाबा उर्फ सन्नी गैंग के दिनेश उर्फ गोगा को मारने के लिए 30 से अधिक गोलियां चलाई। दिनेश के शरीर पर 20 से ज्यादा गोलियों के निशान मिले हैं। गोलियों की आवाज से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने भी हत्याकांड में हिमांशु भाऊ गैंग पर शक जताया है। वजह साफ है। रिटौली के भाऊ गैंग और बाबा गैंग के बीच करीब 5 साल से रंजिश चली आ रही है, जिसमें अब यह छठी जान गई है। दिनेश बाबा गैंग से जुड़ा हुआ था। उसके खिलाफ भी तीन मुकदमे दर्ज हैं, एक मामले में वह जमानत पर आया हुआ था। वहीं वारदात से साफ है कि रैकी कर वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

> हिमांशु भाऊ गैंग की लिस्ट में शामिल था दिनेश गोगा का नाम

> सन्नी के साथ मुकदमे में रह चुका है आरोपी, तीन मुकदमे हैं दर्ज

> रिटौली में चल रही बाबा और हिमांशु भाऊ गैंग में रंजिश

पहले दिनेश की गर्दन पकड़ कर नीचे गिराया फिर ताबड़तोड़ गोलियां मारी

देर शाम को निजामपुर सोनीपत निवासी दिनेश गोगा कोल्ड ड्रिंक हाथ में लिए हुए अपने साथी के साथ नोबल हार्ट के आगे आ पहुंचता है। तभी उसका पीछा करते हुए दो बदमाश आ जाते हैं। एक युवक दिनेश की गर्दन पकड़ कर नीचे गिरा लेता है और उस पर ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर देता है। उसका साथी भी दिनेश पर दर्जनों गोलियां चलाता है। इसके बाद एक आरोपी मैगजीन बदल कर दोबारा फायरिंग करता है। वह यह सुनिश्चित करते हैं कि गोगा की मौत हो गई है और वह इतनी गोली लगने के बाद नहीं बचेगा। इसके बाद चौक की तरफ फरार हो जाते हैं। हैरानी की बात यह है कि राहगीर आराम से यहां से गुजरते रहते हैं। वारदात के कई चश्मदीद भी होते हैं। यह पूरा मामला अस्पताल के बाहर लगे कैमरे में कैद हो गया, जिसकी डीवीआर पुलिस अपने साथ ले गई है।

2024 में गिरफ्तार हुआ दिनेश, अभी जमानत पर था

पुलिस सूत्रों ने बताया कि दिनेश सन्नी गैंग का सदस्य था। सन्नी पक्ष के हंसराज की हिमांशु भाऊ गैंग ने हत्या की थी। दिनेश उर्फ गोगा को हंसराज का रिश्तेदार बताया जा रहा है। कुछ महीने पहले सन्नी रिटोलिया पर शराब ठेके पर फायरिंग भी हुई थी। अक्टूबर 2024 को दिनेश को सन्नी रिटोलिया के साथ गिरफ्तार किया गया था। वह जमानत पर चल रहा था। दिनेश पर हत्या सहित अन्य मुकदमे भी दर्ज हैं।

रिटौली निवासी अंकित अभी जेल में बंद

रिटौली निवासी अंकित पर 2016 में पहली बार मारपीट, धमकी का केस दर्ज हुआ। जमानत पर आने के बाद 2018 में मारपीट व धमकी का केस दर्ज हुआ। 2022 में हत्या का केस दर्ज हुआ। इसके बाद 2023 में उसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तब से वह जेल में बंद है। जबकि गैंग के कई सदस्य बाहर आ चुके हैं। पुलिस के मुताबिक अंकित की हिमांशु से दुश्मनी है। हिमांशु भाऊ गैंग पर हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी, अवैध हथियार रखने और गैंगवार के कई मामले दर्ज हैं। हिमांशु फर्जी दस्तावेजों से पासपोर्ट बनवाकर 2022 के बाद भारत से भागकर पहले पुर्तगाल गया और बाद में संयुक्त राज्य अमेरिका चला गया था। रोहतक पुलिस उसे वापिस देश में लाकर गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही है।

सिर्फ 50 मीटर पर आईजी ऑफिस और सर्किट हाउस फिर भी हत्या कर गए...

- दिल्ली बाईपास चौक शहर की लाइफ लाइन है। यहां से सिर्फ 50 मीटर की दूरी पर आईजी कार्यालय है। सर्किट ऑफिस है। सुरक्षा कड़ी रहती है। फिर भी बदमाश कैसे इनती बड़ी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।
- सर्किट हाउस में मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों और वीआईपी का आना जाना लगा रहता है।
- इसके अलावा, मदवि, करीब 10 आधुनिक अस्पताल और राजनीतिक पार्टियों के कार्यालय भी यहां मौजूद हैं। इसे शहर का पॉश इलाका माना जाता है। शाम के समय सरेराह इतनी बड़ी वारदात होना सुरक्षा पर सवाल खड़े करता है।

मौके पर पुलिस ने जुटाए साक्ष्य, आरोपित फरार

रिटौली: 2022 में हुए दोहरे हत्याकांड से शुरू हुई थी रंजिश

दो मार्च 2022 को रिटौली में सीएससी सैंटर में रोहित उर्फ बजरंग किसी के पास पैसे भेजने के लिए आया था। यहां अचानक बाबा पक्ष के लोगों ने हमला बोल दिया था। गोली मारकर रोहित की हत्या कर दी गई। जबकि भागते हुए बदमाशों को पकड़ने के लिए दौरान सीएससी सेंटर के संचालक राजेंद्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में बाबा गैंग पर केस दर्ज किया गया था।

इसके कुछ दिनों बाद बाबा पक्ष के बस संचालक हंसराज की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी गई थी जब वह सवारियों को लेकर रोहतक के लिए आ रहा था। इसके अलावा गांव में करीब आठ माह पहले अनिल नामक व्यक्ति की भी हत्या हो चुकी है। इस मामले में भी गैंगस्टर भाऊ का नाम आया था। दोनों गिरोह में क्षेत्र के दर्जनों युवक सक्रिय हैं।

रिटौली में शराब ठेके पर फायरिंग, एक की हुई थी मौत

19 दिसंबर 2025 को रोहतक के गांव रिटोली में शराब के ठेके पर हुई फायरिंग हुई थी। दो गुटों बाबा गैंग और हिमांशु भाऊ गैंग के बीच पुरानी रंजिश के चलते भारी गोलीबारी हुई थी। सन्नी रिटोलिया गांव में शराब का ठेका चलाता है। हमलावर उस पर हमला करने आए थे। जैसे ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू की, सन्नी और उसके साथियों ने भी जवाबी गोलीबारी की। उस घटना में दोनों ओर से करीब 40 राउंड फायरिंग हुई थी। घटना में सन्नी रिटोलिया के साथी दीपक को दो गोलियां लगी थीं, जबकि हिमांशु भाऊ गैंग के तीन गुर्गे भी घायल हुए थे। इनमें से एक युवक की झज्जर के अस्पताल में मौत हो गई थी।

मोबाइल टार्च की रोशनी में उठाए खोल, वाहनों से लग गया जाम

वारदात के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एफएसएल टीम ने मोबाइल की टार्च दिखाकर पिस्तौल से निकली गोलियों के खोल बरामद किए। यहां वाहनों के आवागमन ज्यादा होने के कारण पुलिस को काफी परेशानी हुई। सड़क पर काफी देर तक जाम लगा रहा। वाहन चालकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

शहर में आज
- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर।
- पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की प्रेसवार्ता।
- मदवि में रंग महोत्सव।

खबर संक्षेप

यूआईईटी की दो शोधार्थी बने असिस्टेंट प्रोफेसर

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूआईईटी की दो पीएचडी छात्राओं नेहा और मधु का एचपीएससी द्वारा आयोजित असिस्टेंट प्रोफेसर (जूलॉजी) के पद पर चयन हुआ है। नेहा यूआईईटी के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में डॉ. वीर भान एसोसिएट प्रोफेसर के निर्देशन में पीएचडी कर रही हैं, जबकि मधु प्रो. सोनिया के निर्देशन में पीएचडी कर रही हैं। यूआईईटी के निदेशक प्रो. अश्वनी कुमार ढींगरा और बायोटेक्नोलॉजी विभाग के सभी प्राध्यापकों ने दोनों छात्राओं को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

गांव निंदाना में फायरिंग करने के दो आरोपी गिरफ्तार

महम। पुलिस की टीम ने गांव निंदाना मे हुई फायरिंग की वारदात को हल करते हुये वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। कार्यवाहक महम थाना प्रभारी सुरेश ने बताया कि गांव निंदाना निवासी सूरज की शिकायत के आधार पर अभियोग अंकित कर जांच शुरू की गई थी। 28 जनवरी को सूरज घर के बाहर बैठा था, उसी समय साहिल, रवि, मोहित, नितिन, राहुल, अक्षय व अन्य साथियों के साथ दहशत फैलाने व जान से मारने की नीयत से आए। सुरज उन्हें देखकर घर के अंदर चला गया। युवक वहां से चले गये कुछ समय बाद गाड़ियों में सवार होकर आए। गाड़ी को रुकवाने का प्रयास किया तो युवकों ने गाड़ी को स्कूल वाली गली मे मोड दी और दो राउंड फायर किए। लेकिन मौके पर भीड़ को देख कर युवक मौके से फरार हो गए।

मांगों को लेकर पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारियों का जोरदार धरना-प्रदर्शन

> कर्मियों की जायज मांगें पूरी होने तक संघर्ष लोकतांत्रिक तरीके से जारी रहेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

हरियाणा कर्मचारी महासंघ से संबद्ध ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन की जन स्वास्थ्य शाखा रोहतक ने कर्मचारियों की लंबित मांगों और समस्याओं के समाधान को लेकर मंडल नंबर-1 के कार्यकारी अभियंता कार्यालय के समक्ष जोरदार धरना-प्रदर्शन किया। धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान कुलदीप अहलावत ने की, जबकि संचालन शाखा सचिव कृष्ण शर्मा और जिला सचिव ब्रिजराज ने किया। धरना-प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लेते हुए नारेबाजी के माध्यम से अपनी मांगें रखीं। संगठन के दबाव को देखते हुए कार्यकारी अभियंता रोहित कुमार ने यूनियन प्रतिनिधिमंडल को लिखित रूप से वार्ता के लिए आमंत्रित किया, जिसके बाद सकारात्मक बातचीत हुई। प्रांतीय महासचिव अमरीक सिंह चड्ढा ने कहा कि जायज मांगें पूरी होने तक संघर्ष लोकतांत्रिक तरीके से जारी रहेगा।

रोहतक। मांगों के लिए धरना देते ऑल हरियाणा पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल कर्मचारी यूनियन के सदस्य। फोटोः हरिभूमि

खरावड़ के सरपंच पर हरे पेड़ अवैध रूप से काटने के आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

खरावड़ के जय सिंह ने गांव के सरपंच पर पेड़ों की अवैध कटाई कराने के आरोप लगाए हैं। इनका कहना है कि कटाई का काम वन विभाग की अनुमति के बिना खुलेआम किया जा रहा है। ऐसे पेड़ जिनकी ऊंचाई 15-15 फीट तक थी, उन पर कुल्हाड़ा चला दिया गया। सरपंच के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर जयसिंह ने सोमवार को डीसी को पत्र भेजा। इनका कहना है कि सरपंच के खिलाफ एफआईआर दर्ज करना इसलिए जरूरी है कि जिले के बाकी सरपंच इस तरह से पेड़ों की कटाई कराते हुए सौ बार सोचें। इनका कहना है कि सख्त कार्रवाई के बिना पर्यावरण संरक्षण नहीं हो पाएगा। पर्यावरण का संरक्षण न होने की वजह से ही साल दर साल प्रदूषण बढ़ रहा है।

कटा पेड़

विरोध | किसानों का आरोप, बिल्डर ने हमारी 250 एकड़ भूमि बंजर कर दी, दूसरे कई गांवों की फसल भी हुई खराब

सिंचाई का पानी व रास्ता रोका तो गांधरा के किसानों ने डीसी से मांगी इच्छा मृत्यु

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

सोमवार को लघु सचिवालय पर किसानों का अपनी समस्याओं को लेकर जमावड़ा रहा। बिल्डर ने खेतों की सिंचाई का पानी और रास्ते रोके तो गांव गांधरा के किसानों ने क्षुब्ध होकर डीसी से इच्छा मृत्यु की मांग समाधान शिविर में कर डाली। शिविर की अध्यक्षता कर रहे नगराधीश अंकित कुमार ने तुरंत सांपला डिविजन के कार्यकारी अभियंता को निर्देश दिए कि वे मौके पर जाकर मामले की जांच करके शाम तक रिपोर्ट सब्मिट करें। गांधरा के किसानों का मामला अभी शांत ही नहीं हुआ था कि किसान सभा की अगुवाई में सैमाण, पाकस्मा, भैणी चंद्रपाल, बेडवा, बलंबा और बलम के किसानों ने उपायुक्त के समक्ष मुआवजा देने की मांग की। ध्यान रहे कि किसान मुआवजे की मांग को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों से पहली बार नहीं मिले हैं। हर पांच-सात दिन के बाद किसान कभी उपमंडल स्तर के अधिकारियों से मुआवजे की मांग करते हैं तो कभी जिला स्तर के अफसरों से। लेकिन अभी तक मुआवजा नहीं मिला है।

रोहतक। अपनी मांगों के लिए डीसी से मिलने आए अखिल भारतीय किसान सभा के सदस्य।

ये हुआः जिला परिषद के सदस्य धीरज मलिक के नेतृत्व में गांव गांधरा के किसान नारेबाजी करते हुए लघु सचिवालय परिसर पहुंचे। इस समय समाधान शिविर में नगराधीश अंकित कुमार लोगों की समस्याएं सुन रहे थे। पुलिस कर्मियों ने घटना की जानकारी शिविर में मौजूद अधिकारियों को दी। इसके बाद किसानों के प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए बुलाया। यहां पर धीरज मलिक ने बताया कि गांधरा में तकरीबन 250 एकड़ जमीन बंजर हो गई है। इसकी वजह है कि एक बिल्डर ने खेतों की सिंचाई करने वाले मोघा नंबर 31100 के खाल को तोड़ दिया है। इसकी जगह पर अंडर ग्राउंड पाइप डाल दी। जिससे सिंचाई नहीं हो रही। किसानों के मुताबिक बिल्डर ने 44 एकड़ जमीन खरीद हुई है। किसानों ने कहा कि बिल्डर की शिकायत एसएचओ सांपला, सांपला के दूसरे प्रशासनिक अधिकारियों को की। लेकिन किसी भी अधिकारी ने मामले पर तनिक भी कार्रवाई नहीं की। जिसकी वजह से उन्हें मजबूरन डीसी कार्यालय पहुंचकर डीसी से इच्छा मृत्यु की मांग करनी पड़ी है, ये सब नगराधीश को बताया गया। इस पर नगराधीश ने तुरंत सिंचाई विभाग के अधिकारियों को मौका देखने को कहा। इसके बाद किसान शांत हुए। मांग रखने वाले किसानों में बिजेंद्र सिंह, जीत सिंह, सोमवीर प्रदीप कुमार, जोगिंद्र सिंह, रोहतास आद शामिल रहे।

नगराधीश अंकित कुमार से अपनी बात रखते हुए पार्षद धीरज मलिक।

जलभराव से खाली रही भूमि की गिरदावरी करवाने को लेकर डीसी को ज्ञापन सौंपा

इधर, अखिल भारतीय किसान सभा की जिला इकाई ने खरीफ 2025 की फसल धान, बाजरा और कपास के खराबे के बकाया मुआवजे जारी करने, जलभराव से खाली रही कृषि भूमि की गिरदावरी करवाने को लेकर डीसी सचिन गुप्ता को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसान सभा सचिव सुमित दलाल ने बताया है कि पिछली खरीफ की फसलों के दौरान सांपला,महम और कलानौर तहसील के दर्जनों गावों में हुई अत्यधिक बारिश से धान, बजारा, कपास की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई थी। जिसके लिए किसानों ने क्षतिपूर्ति पोर्टल पर पंजीकरण करवाया। और अधिकारियों ने 75 से 100% नुकसान दर्ज किया। ज्ञापन सौंपने वालों में किसान सभा के उप प्रधान प्रीत सिंह, शमशेर सिवाच, मुकेश राणा, नवीन राणा, मनीष बेडवा, बलवान सिंह, राय सिंह ,नरेंद्र मलिक, राकेश बलम, साधु सिवाच, जितेंद्र सिवाच, नरेश सिवाच, कमान खरक,बलजीत सहराय, रामकुंवार भैणी आदि शामिल रहे।

बिल्डर पर तुरन्त कार्रवाई की मांग

अगर प्रशासन ने बिल्डर पर कार्रवाई नहीं की तो किसान जल्द ही डीसी कार्यालय पर धरना देना शुरू कर देंगे। क्योंकि वे अधिकारियों को अपनी समस्या से अवगत कराते-कराते अब थक चुके हैं। -धीरज मलिक, सदस्य जिप

महिला वनडे ट्रॉफी में हरियाणा ने चंडीगढ़ को पांच विकेट से हराया

एमडीयू की अमनदीप कौर ने चंडीगढ़ की आधी टीम को पवेलियन भेजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

अमनदीप कौर।

सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी में सोमवार को खेले गए मैच में हरियाणाने चंडीगढ़ को पांच विकेट से हराया। इसमें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) और रोहतक के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। एमडीयू खिलाड़ी अमनदीप कौर ने पांच विकेट लेकर चंडीगढ़ टीम की कमर तोड़ दी। वहीं, सुमन गुलिया और शीतल राणा ने दो-दो विकेट लिए। इसके अलावा तनिष्का शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक जमाया। मुकाबला वडोदरा में खेला गया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए चंडीगढ़ टीम की शुरूआत बिल्कुल भी अच्छी नहीं रही। एमडीयू की सुमन गुलिया ने पहली दो गेंदों पर लगातार दो विकेट लिए और चंडीगढ़ का स्कोर जीरो पर दो विकेट हो गया था। उसके बाद चंडीगढ़ की सारा और तानिया ने संभलकर बल्लेबाजी की। उसके बाद एमडीयू की अमनदीप कौर की स्पिन का जादू चला। 47 रन पर तीसरा विकेट चंडीगढ़ ने गंवा दिया और बाद भी विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा और चंडीगढ़ की पूरी टीम 158 रन पर ऑलआउट हो गई। चंडीगढ़ की ओर से कोई बल्लेबाजी कुछ खास नहीं कर पाया। हरियाणा की ओर से अमनदीप कौर ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में तीन मेडन और 30 रन देकर पांच विकेट लिए। इसके अलावा एमडीयू की ही शीतल राणा और सुमन गुलिया ने दो-दो विकेट लिए। इसके जवाब में हरियाणा की शुरुआत भी कुछ खास नहीं रही और 22 रन पर पहला विकेट गंवा दिया। उसके बाद तनिष्का शर्मा और तनिषा ओहलान ने शानदार बल्लेबाजी की। इन दोनों की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत हरियाणा ने 36.1 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 162 रन बनाकर पांच विकेट से मैच जीता। हरियाणा की ओर से तनिष्का शर्मा ने 50 और तनिषा ओहलान ने 35 रन बनाए। इसके अलावा ज्योति यादव ने 22 और दीपिका कुमारी ने नाबाद 29 रन बनाए।

85 वर्षीय चांदसिंह अहलावत ने अबुधाबी में चार स्वर्ण पदक जीतकर रचा इतिहास

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

अबुधाबी में 5 से 15 फरवरीतक आयोजित ओपन वर्ल्ड मास्टर्स गेम्ज में 85 वर्षीय चांदसिंह ने चार स्वर्ण पदक जीते। इसमें 127 देशों के 4200 के लगभग पुरूष एवं महिलाओं खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें अमरीका, रूस, चीन, जापान, आस्ट्रेलिया, भारत, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, बेलारूस, नार्वे, इरान, इराक, कोरिया, कुवैत, तुर्की, कनाडा, इजरायल, ब्राजील, श्रीलंका आदि देशों ने भाग किया। 85 वर्षीय चाँदसिंह अहलावत ने स्कूल से लेकर राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में 765 पदक अपने नाम कर चुके है और 4 हजार के लगभग खिलाड़ी तैयार किये है। चांद सिंह को राष्ट्रपति द्वारा अर्जुन अवार्ड, पदमश्री अवार्ड,

द्रोणाचार्य अवार्ड द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। चाँदसिंह अहलावत पर हरियाणा ही नहीं पूरे राष्ट्र को गर्व है। मूल रूप से डीघल गांव हाल में रोहतक के लक्ष्मी नगर निवासी चाँदसिंह अहलावत किसी भी राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए हमेशा तैयार रहते है।

हरियाणा ओलम्पिक संघ ने दी हरियाणा कोर्फबाल संघ को मान्यता

रोहतक। हरियाणा के खेल जगत के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि रुप में हरियाणा ओलम्पिक संघ ने हरियाणा कोर्फबाल एशोसिएशनस को आधिकरिक रुप से सदस्य के रुप में मान्यता दे दी है। हरियाणा कोर्फबाल एशोसिएशनस के सचिव प्रवीन कुमार ने बताया कि कोर्फबाल को मान्यता मिलने से हरियाणा के खिलाड़ियों को लाभ होगा तथा कोर्फबाल खेल के विकास, प्रसार तथा संगठन को मजबूती मिलेगी। इस मान्यता से अब हरियाणा कोर्फबाल संघ राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन, खिलाड़ियों के चयन, प्रशिक्षण शिवरों तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए अधिकृत हो गया। संघ के सभी सदस्यों ने आश्वासन दिया कि वह खेल भावना, पारदर्शिता और अनुशासन के साथ कोर्फबाल के विकास के लिए निरंतर कार्य करेंगे। हरियाणा ओलम्पिक संघ के प्रधान श्री जसविंद्र मीनू बैनीवाल ने कोर्फबाल संघ को बधाई देते हुए कहा कि राज्य में उभरते हुए खेलों को प्रोत्साहन देना संघ की प्राथमिकता है तथा कोर्फबाल जैसे विश्व विख्यात खेल को मंच प्रदान कर हरियाणा के खिलाड़ियों को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाना उनका उद्देश्य है।

युवाओं की अनदेखी को हरियाणा कांग्रेस कमेटी नहीं करेगी बर्दाश्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶|रोहतक

रोहतक। हरियाणा कांग्रेस कमेटी द्वारा भारतीय जनता पार्टी की केंद्र एवं राज्य सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरोध में प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर धरना दिया गया। धरने के उपरांत राष्ट्रपति को संबंधित जिला उपायुक्त (डीसी) के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। कुलदीप केडी अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी) ने बताया कि सरकार बच्चों की आय को आधार बनाकर पात्र बुजुर्गों की पेंशन काटने का काम कर रही है। यह सरकार जानबूझकर ऐसी कठोर और व्यावहारिक तथा मनमाने मापदंड लागू करके हजारों लाखों बुजुर्गों को पेंशन से महरूम कर रही है। हरियाणा में विभिन्न पदों पर बाहरी उम्मीदवारों को भर्ती करके आयोग द्वारा हरियाणा के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

ये रहे मौजूद

इस मौके मुख्य रूप से बलवान रंगा, अध्यक्ष (ग्रामीण), बलराम दांगी विधायक महम, सुभाष बत्रा पूर्व मंत्री, चक्रवर्ती शर्मा , अमरनाथ अरोड़ा, श्री कविता शर्मा, सुभाष तायल, कदम सिंह अहलावत, सत्यवान चहल, बलजीत राणा, परीक्षित दुग्गल (एडवोकेट), लोकीराम प्रजापति देवेंद्र भारत विजय नायक (ठेकेदार), संजय दलाल व कुलदीप मोखरा मौजूद रहे।

लोकगीत में आशीष व श्याम ने गीत गायन में तृतीय स्थान प्राप्त किया

रोहतक। पंडित नेकीराम शर्मा राजकीय महाविद्यालय के संगीत विभाग के विद्यार्थियों ने आदर्श महिला महाविद्यालय भिवानी में आयोजित स्पर्धा, स्टेट लेवल इंटर कॉलेज प्रतियोगिता में भाग लिया है। इस प्रतियोगिता में लोकगीत में आशीष ने व श्याम आर्य ने गीत गायन में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेंद्र सांगवान ने विद्यार्थियों को तथा संगीत विभाग को बधाइयाँ दी तथा भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर सांस्कतिक गतिविधियों के कोऑर्डिनेट डॉ दिनेश सिंह , डॉ प्रियंका तथा डॉ टीना भी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

पिपली में किसान-मजदूर जनक्रांति रैली 23 मार्च को

महम। भारतीय किसान यूनियन चढ़ूनी द्वारा सोमवार 23 मार्च को कुरुक्षेत्र जिले के पिपली की अनाज मंडी में किसान मजदूर जनक्रांति रैली आयोजित की जाएगी। भाकियू (चढ़ूनी) के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्यवान नरवाल ने सोमवार को महम के गांव निंदाना, फरमाणा, भैणींचद्रपाल, भैणीसुरजन, सैमाण और बेडवा गांवों का दौरा किया। सत्यवान नरवाल ने कहा कि किसानों व मजदूरों की सरकार से मांग है कि वह धान घोटाले की सीबीआई जांच करवाई जाए। फसलों की एमएसपी खरीद की गारंटी का कानून बनाया जाए। नया बीज बिल और नया बिजली बिल कानून रद्द किए जाएं। मजदूरों और किसानों के कर्ज माफ किए जाएं।

ऑन-स्पॉट रील मेकिंग में पत्रकारिता विभाग की निकिता लोहान ने अव्वल स्थान हासिल किया

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में रंग बहार-पुष्प उत्सव का समापन उत्साह और गरिमा के साथ हुआ। भारतीय पुनर्वास परिषद की पूर्व अध्यक्ष डॉ. शरणजीत कौर ने बतौर मुख्य अतिथि विजेताओं को पुरस्कार वितरित करते हुए इस महोत्सव की शोभा बढ़ाई। ऑन-स्पॉट रील मेकिंग में पत्रकारिता विभाग (एमडीयू) की निकिता लोहान पहले स्थान पर रहीं, जीवीएम गर्ल्स कॉलेज सोनीपत की निकिता दूसरे और यूआईईटी (एमडीयू) के कुशल तीसरे स्थान पर रहे। डॉ. शरणजीत कौर ने कहा कि रंग बहार जैसे कार्यक्रम युवा प्रतिभा, कला-सृजन को बढ़ावा देने वाला उत्सव है। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि यह आयोजन छात्रों को कक्षा से परे सीखने और कौशल निखारने का मंच देता है। गेस्ट ऑफ ऑनर प्रीति बंसल ने आयोजन की सार्थकता की सराहना की।

हरिभूमि सहेली

वर्किंग वूमेन की घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के बीच बैलेंस की बात खूब होती है। यही समझा जाता है वर्किंग वूमेन की तुलना में हाउस वाइफ की जिंदगी आसान है, जबकि इनकी जिंदगी में भी चैलेंज होते हैं। रोज घर के कामों की लंबी फेहरिस्त, घर के हर सदस्य का ध्यान, रिश्तों का निर्वाह, इन सब के बीच बैलेंस की जरूरत होती है। हम यह क्यों नहीं समझते, हाउस वाइफ को भी 'मी टाइम' चाहिए, जो उसके मेंटल के साथ-साथ फिजिकल हेल्थ के लिए भी बहुत जरूरी है।

होम लाइफ बैलेंस भी है जरूरी

कवर स्टोरी
डॉ. मोनिका शर्मा

बात जब वर्क लाइफ बैलेंस की हो तो कई पहलुओं पर सोचना जरूरी है। वर्किंग वूमेन, घर और वर्किंग रिस्पांसिबिलिटीज की भाग-दौड़ के बीच कैसे अपने लिए समय निकालें? किस तरह खुद को आराम दें? जिंदगी में संतुलन बनाए रखने के लिए कौन से तरीके अपनाएं? जैसी बातों का खूब जिक्र होता है और फिक्र भी। वहीं घर में रहने वाली महिलाओं पर होम लाइफ बैलेंस को लेकर आमतौर पर कोई बात नहीं होती है, जबकि घर पर ही रहकर हर समय भाग-दौड़ में लगी रहने वाली महिलाओं के लिए भी संतुलित दिनचर्या जरूरी है। घर-आंगन तक सिमटी महिलाओं की लाइफ में भी एक बैलेंस होना जरूरी है।

काम और आराम के बीच संतुलन

हमारे पारिवारिक परिवेश में दफ्तर से लौटी महिला के थकने या व्यस्त रहने की बात तो होती है, लेकिन घर के भीतर भाग-दौड़ में जुटी महिलाओं को लेकर ऐसा कुछ नहीं सोचा जाता। वर्किंग वूमेन

के ट्रैफिक से जूझने, यात्रा कर दफ्तर तक पहुंचने की उलझनों की बात होती है पर होममेकर्स की शारीरिक भाग-दौड़ और ठहरी, सिमटी-सी जिंदगी में बिखरती मनःस्थिति की उपेक्षा ही होती आई है। सुबह से शाम तक अपनों का खयाल रखने की धुरी पर दौड़ती महिलाओं की परेशानियों की ओर किसी का भी ध्यान ही नहीं जाता। जबकि उनके लिए भी आराम और अंतहीन सूची वाले कामों में एक बैलेंस की जरूरत होती है। घर संभालने का दायित्व निभा रही बहू-बेटियां भी थकती हैं। उनकी दिनचर्या भी आसान नहीं होती। हर समय अपनों के लिए कुछ करने को मौजूद रहने वाली अधिकतर स्त्रियां तो रोज घर में सबसे पहले अपने दिन की शुरुआत करती हैं। ऐसे में जरूरी है कि घर के छोटे-बड़े सदस्य हर समय कुछ-न-कुछ करने को कहते रहने के बजाय उनके काम और आराम में संतुलन बनाने में मदद करें। कम से कम यह समझने की गलती तो बिल्कुल न करें कि उनका जीवन बहुत आसान है या दिनभर घर पर रहती हैं तो करती ही क्या हैं? कभी ना खत्म होने वाली एक भागम-भाग उनके भी हिस्से होती है। इसीलिए महिलाओं की होम लाइफ में भी बैलेंस जरूरी है।

टाइम मैनेजमेंट भी है आवश्यक

असल में टारगेट सिर्फ ऑफिस में ही नहीं होते। समय सीमा में काम निपटाने, रसोई में कुछ पकाने, रिश्तेदारी में मेल-मिलाप रखने और आस-पड़ोस में लेन-देन निभाने के भी टारगेट होते हैं। समय के सही मैनेजमेंट के बिना घरेलू जिम्मेदारियों की सूची कभी खत्म नहीं हो सकती। ऐसे में खुद महिलाएं भी अपनी संभाल-देखभाल के लिए समय निकालने का प्रयास करें। बात सेहत और फिटनेस के लिए समय निकालने की हो या किसी सहेली से बैठकर बतियाने की। समय प्रबंधन करके ही अपने लिए वक्त निकाला जा सकता है। होम लाइफ में बैलेंस बनाया जा सकता है। देखने में आता है कि नॉन-वर्किंग महिलाओं की पर्सनल लाइफ कहीं पीछे छूट जाती है। अपने हों या पराए, सभी के लिए बहुत कुछ करते हुए भी वे कुछ न करने वाली भूमिका में दिखती हैं। उनका रोल 'टेकन फॉर ग्रांटेड' वाली स्थिति में आ जाता है। दिनभर भाग-भागकर सब कुछ करते रहना अपनों को आम-सी बात लगती है। ऐसे में अपनी सहजता और सुकून के लिए खुद महिलाओं को ही अपने समय का प्रबंधन करना होगा। वरना मल्टीटास्किंग और एकरसता का यह मेल स्ट्रेस और एंग्जाइटी के घेरे में ले आएगा।

बाहर की दुनिया से जुड़ाव

जैसे काम-काजी महिलाओं के लिए घर में आराम से समय बिताना भी एक बदलाव होता है। वैसे घर पर रहने वाली स्त्रियों को बाहर जाने से थोड़ा बदलाव महसूस होता है। उनके मन का मौसम बदलता है। आमतौर पर बच्चे, बड़े या जीवनसाथी कोई इस बात को अहमियत नहीं देता। वीकेंड पर घर पर रहने वाले अपने उनकी व्यस्तता और बढ़ा देते हैं। सगे-संबंधियों के यहां किसी कार्यक्रम में जाने के अलावा उनका कहीं और जाना जरूरी नहीं समझा जाता। जबकि महिलाएं रिश्ते-नातेदारी में जाकर भी कोई ना कोई काम करने में ही जुट जाती हैं। ऐसी आउटिंग को फिक्र से दूर मानसिक शांति और मन के बदलाव के लिए समय बिताना नहीं कहा जा सकता। ऐसे में महिलाएं खुद संतुलन की डगर चुनें। अपनी रुचि को भी प्राथमिकता दें। काम-काजी महिलाओं के समान ही सुबह-

सुबह अपने कामों की सूची बनाएं। हर काम की प्राथमिकता तय करें। अपने 'मी टाइम' को लेकर अपनों से स्पष्ट बात करें। हर समय कुछ-न-कुछ करते रहने के बजाय अपनी लिमिट्स भी तय करें। ऐसा करने से ही होम लाइफ बैलेंस बन सकता है। संतुलन की इन परिस्थितियों में आप अपनी हेल्थ और हॉबीज को समय दे सकेंगी। सही शेड्यूल बनाने से टाइम-टु-टाइम ब्रेक लेना भी सहज होगा। यह समय घर के बाहर की दुनिया से जुड़ने और कुछ नया सीखने जैसी स्ट्रेस फ्री एक्टिविटीज में लगाने से, घर और अपने भीतर के मोर्चे पर संतुलन बना रहेगा।

ऐसे बनाएं खुशहाल दांपत्य जीवन की राह

हर दंपती खुशहाल दांपत्य जीवन की तो कामना करता है, लेकिन छोटी-छोटी बातों पर तकरार, अहंकार की वजह से अपने दांपत्य जीवन में कड़वाहट पैदा कर लेता है। इससे पति-पत्नी के बीच दूरियां बढ़ती हैं। दंपती कैसे तनावमुक्त रहें और खुशहाल दांपत्य जीवन की राह बने, जरूरी सलाह।

सलाह
स्नेहा सिंह

शादी के बाद दो लोग सिर्फ एक-दूसरे के जीवन में प्रवेश ही नहीं करते, एक-दूसरे की आदतों, सोच और संस्कारों से भी कहीं ना कहीं प्रभावित होते हैं। विवाह के बाद शुरुआती दिनों में जो बातें प्यारी लगती हैं, वही कुछ दिनों बाद अखरने लगती हैं। इतना ही नहीं बात-बात पर दंपती के बीच तकरार, छोटी-सी असहमति एक बड़ा विवाद का रूप अख्तियार करने लगती है, इससे दूरियां बढ़ती हैं। इन विपरीत स्थितियों में अपने दांपत्य रिश्तों को कैसे सहेजें, इसके लिए किन बातों का ध्यान रखें, जानिए-

बनाए रखें संवाद: पति-पत्नी के रिश्ते की बुनियाद आपसी संवाद पर टिकी होती है। लेकिन जब बात करने की जगह चुप्पी ले लेती है तो ऐसे में गलतफहमियां जन्म लेती हैं। अकसर देखा जाता है कि हम अपनी परेशानी बाहर वालों को तो बता देते हैं, लेकिन अपने जीवनसाथी से बात नहीं करते। मन में दबी बातें धीरे-धीरे बड़ी शिकायतें बन जाती हैं, एक दिन विस्फोट के रूप में बाहर आती हैं। इसलिए एक-दूसरे को समझते हुए खुलकर, बिना डरे और आरोप के बात करना रिश्ते को टूटने से बचाता है। इसलिए दांपत्य जीवन में निरंतर संवाद बहुत जरूरी है।

डगमगाने ना दें विश्वास: आपसी विश्वास के बिना दांपत्य जीवन सिर्फ एक समझौता बनकर रह जाता है। शक, संदेह और निगरानी का भाव रिश्ते के अपनत्व और गर्माहट को खत्म करता है। मोबाइल की जांच करना, देर से आने पर सवाल-जवाब करना या हर बात पर संदेह करना, ये सब बातें धीरे-धीरे दांपत्य प्रेम को विषाक्त कर देती हैं, तलाक तक की नौबत आ जाती है। भरोसा बनाए रखने के लिए जरूरी है कि पति-पत्नी एक-दूसरे के प्रति ईमानदार रहें, संदेह के बजाय विश्वास बनाए रखें।

एक-दूसरे को समय दें: आज के दौर में साथ बैठकर बातें ना करने का सबसे आसान बहाना बन गया है 'बहुत व्यस्त हूं।' माना कि करियर की जिम्मेदारियों के बीच पति-पत्नी एक-दूसरे के लिए समय नहीं निकाल पाते हैं लेकिन दंपती का कभी-कभी साथ बैठकर बातें साझा करना, डिनर-लंच करना या कभी यूं ही टहलने निकल जाना भी जरूरी है। साथ बिताए छोटे-छोटे मिठास भरे पल रिश्ते में जान फूंकते हैं। समय न देना कलह की शुरुआत की वजह बनता है। इसलिए पति-पत्नी एक-दूसरे को यथासंभव समय जरूर दें।

अहंकार से रहें दूर: दांपत्य जीवन में अहंकार सबसे खतरनाक दुश्मन है। 'मैं क्यों झुकूं, गलती तो उसकी है।' ऐसी सोच रिश्ते को खोखला कर देती है। समझदारी इसी में है, स्वयं सही होते हुए भी चुप रह जाएं, ताकि रिश्ता बचा रहे। झुकना हार नहीं, बल्कि रिश्ते की जीत है। माफी मांगना और माफ करना, पत्नी-पति दोनों को आना चाहिए। यह दांपत्य जीवन में मधुरता बनाए रखने के लिए जरूरी है।

गुस्से पर रखें काबू: गुस्से में बोले गए शब्द कभी-कभी सालों का प्यार पलभर में खत्म कर देते हैं। क्रोध के क्षणों में मौन रहना और बाद में शांत होकर बात करना कहीं ज्यादा प्रभावी होता है। याद रखिए, शब्दों से लगे घाव दिखाई नहीं देते, लेकिन बहुत गहरे होते हैं।

साथ चलने का नाम है दांपत्य: दांपत्य जीवन दो लोगों की साझा यात्रा है, जिसमें उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। प्रेम, विश्वास, संवाद और धैर्य, इन चार स्तंभों पर टिका होता है दांपत्य रिश्ता, जो हर कलह से बचाता है। जब हम जीवनसाथी को गहराई से समझने लगते हैं, तो दांपत्य जीवन में मधुरता घुलती है, दंपती खुशहाल रहते हैं।

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में सांस्कृतिक छटा बिखेर रहे रंग महोत्सव में विद्यार्थियों ने मनवाया अपनी पाक कला का लोहा

सिर चढ़कर बोला म्हारे देसी घी और बदाम रगड़ा का जादू

रोहतक। प्रो .कुलताज, प्रध्यापक सुनीत मुखर्जी व प्रोफेसर को खाने के बारे में जानकारी देतीं छात्राएं तथा बादाम रगड़ा बनाता आशीष। फोटो : हरिभूमि

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) में आयोजित रंग महोत्सव इन दिनों अपनी सांस्कृतिक छटा बिखेर रहा है। महोत्सव के तहत 'रंग व्यंजन' कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी पाक कला का लोहा मनवाया। विद्यार्थियों की ओर से खाने की स्टॉल लगाई गई। पूरी तरह से छात्रों द्वारा संचालित इन स्टॉल्स पर हरियाणा के देसी घी की खुशबू से लेकर बंगाल और ओडिशा के पारंपरिक स्वाद का जादू सिर चढ़कर बोला। छात्र आशीष ने पारंपरिक पेय 'शरदाई' के जरिए स्वास्थ्य और ऊर्जा का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि बादाम रगड़ा में अलग-अलग चीजे डाली गई इसमें काली मिर्च, बादाम, खसखस, सौंफ व अन्य चीजे का प्रयोग किया गया। जिनके काफी फायदे हैं। उन्होंने इसके फायदों को गिनाते हुए बताया कि एक महीने के नियमित सेवन से मानसिक तनाव और डिप्रेशन में राहत। उन्होंने बताया कि शरदाई (बादाम रगड़ा) तनाव और हृदय रोग का देसी इलाज है। काली मिर्च का उपयोग हृदय को स्वस्थ रखता है। खसखस और सौंफ गर्मियों में शरीर को ठंडा रखते हैं।

सांस्कृतिक आदान-प्रदान भी है महोत्सवः मुखर्जी

प्राध्यापक सुनीत मुखर्जी ने बताया कि एमडीयू में रंग महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी महोत्सव के अंतर्गत 'रंग व्यंजन' नाम का एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है जो पूरी तरह से खान-पान और विभिन्न व्यंजनों पर केंद्रित है। यह महोत्सव केवल खाने-पीने का माध्यम नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक आदान-प्रदान है। यह विभिन्न प्रांतों की संस्कृति और उनके स्वाद को एक मंच पर लाता है।इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के साथ-साथ इससे संबद्ध महाविद्यालयों की टीमों ने भी हिस्सा ले रही हैं। यह पूरा आयोजन विद्यार्थियों द्वारा संचालित है, जहाँ उन्होंने स्वयं अलग-अलग तरह के व्यंजन तैयार किए हैं। यहाँ हरियाणा के पारंपरिक स्वाद (जैसे बाजरे की खिचड़ी और चूरमा) के साथ-साथ आधुनिक 'स्ट्रीट फूड' जैसे गोलगप्पे और पकोड़े भी उपलब्ध हैं। झज्जर के 'स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज एंड टीचर एजुकेशन' की टीम ने विशेष रूप से ओडिशा के व्यंजनों का स्टॉल लगाया है।

बंगाल की मिठास और ओडिशा का स्वाद

हिंदी विभाग की छात्रा पूजा के स्टॉल पर बंगाल की मशहूर छैना खीर आकर्षण का केंद्र रही। केसर और पनीर से बनी यह मिठाई व्रत के लिए भी उपयुक्त बताई गई। इसके साथ ही, हाजमे के लिए रामबाण पानी के साथ गोलगप्पे, पालक पत्ता चाट और कटहल की सब्जी ने भी लोगों का दिल जीत लिया।

जीवीएम कॉलेज की निकिता ने हरियाणा के पारंपरिक खान-पान का लोहा मनवाया

सोनीपत के जीवीएम गर्ल्स कॉलेज की छात्रा निकिता ने अपने स्टॉल के माध्यम से हरियाणा के पारंपरिक खान-पान का लोहा मनवाया। उन्होंने बताया कि उनका मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को जंक फूड से हटाकर शुद्ध आहार की ओर लाना है। घर पर तैयार किए गए पुड़े, सुहाली, गुलगुले, मक्के-बाजरे की रोटी, सरसों का साग और लजीज चूरमा खुद हमने तैयार किए हैं। निकिता ने साझा किया कि उनके साथियों ने विशेष रूप से गांवों से शुद्ध देसी घी, मक्खन और छाछ मंगवाई है।

एमडीयू के 33 एनएसएस स्वयंसेवक राज्य स्तरीय साहसिक शिविर के लिए मनाली रवाना

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के 33 स्वयंसेवक राज्य स्तरीय साहसिक शिविर में भाग लेने के लिए मनाली रवाना हुए। यह स्वयंसेवक विश्वविद्यालय के 18 विभिन्न शिक्षण संस्थानों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और आगामी दस दिनों तक पर्वतीय क्षेत्र में रहकर विशेष प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।यह राज्य स्तरीय साहसिक शिविर 17 से 26 फरवरी 2026 तक मनाली स्थित अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान में आयोजित किया जाएगा।

स्वर्ण जयंती वर्ष में प्रकृति का उत्सव : एमडीयू की रंग बहार- पुष्प प्रदर्शनी ने बिखेरी रंगों की छटा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित रंग बहार–पुष्प प्रदर्शनी ने परिसर को रंगों, खुशबू और सृजनात्मक ऊर्जा से आलोकित कर दिया। भव्य आयोजन का शुभारंभ जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता तथा विश्वविद्यालय के कुलपति राजबीर सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं तक सीमित नहीं, बल्कि जन-भागीदारी से ही सफल हो सकता है। उन्होंने कहा कि फूल और पौधे हमारे जीवन में सकारात्मकता, शांति और सौंदर्य का संचार करते हैं। ऐसे आयोजन समाज को हरियाली के महत्व से जोड़ते हैं और युवाओं में प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का भाव जगाते हैं।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि स्वर्ण जयंती वर्ष में आयोजित यह प्रदर्शनी विश्वविद्यालय की सामाजिक और पर्यावरणीय प्रतिबद्धता का सशक्त प्रतीक है। रंग बहार केवल पुष्पों की प्रदर्शनी नहीं, बल्कि सृजनात्मकता, सौंदर्यबोध और प्रकृति प्रेम का उत्सव है।

प्रदर्शनी में गुलाब, गेंदा, पेटुनिया, कैलेंडुला सहित विभिन्न मौसमी एवं सजावटी फूलों की आकर्षक प्रस्तुतियों ने आगंतुकों का मन मोह लिया। सृजनात्मक पुष्प संयोजन, कलात्मक सजावट और थीम आधारित प्रदर्शनियों ने पूरे परिसर को जीवंत बना दिया। बुके सजावट, फ्लोरल ज्वेलरी, कट फ्लावर, गमलों में मौसमी एवं सजावटी पौधों की प्रतियोगिता, रंगोली, पोस्टर मेकिंग, फोटोग्राफी, सेल्फी और रील मेकिंग जैसी प्रतिस्पर्धाओं में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी सृजनात्मक प्रतिभा का परिचय दिया।

ये रहे मौजूद

भारतीय पुनर्वास परिषद की पूर्व अध्यक्षा डॉ. शरणजीत कौर, जिला उपायुक्त की पत्नी हेना सुखना, डीन (शैक्षणिक कार्य) प्रो. एस.सी. मलिक तथा कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

रोहतक। अपनी प्रस्तुति देते प्रतिभागी तथा रंग बहार–पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन करते जिला उपायुक्त सचिन गुप्ता।

प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार जताया

कार्यक्रम की संयोजक प्रो. विनिता हुड्डा ने कहा कि यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों के लिए सीखने और अभिव्यक्ति का सशक्त मंच सिद्ध हुई है। सह-संयोजक प्रो. दीपक कौशिक ने आयोजन को अत्यंत सफल बताते हुए सभी प्रतिभागियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। डीन स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सपना गर्ग तथा निदेशक युवा कल्याण डॉ. प्रताप राठी ने समन्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जल संरक्षण के निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे जल शक्ति अभियान के लिए केंद्र सरकार की जल संरक्षण को जन आंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से शुरू किये गए जल संचय-जन भागीदारी कार्यक्रम के अंतर्गत जिला में जल संरक्षण के निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए गंभीरता से कार्य करें। कुमार सोमवार को लघु सचिवालय में जल संचय-जन भागीदारी अभियान के संदर्भ में आयोजित बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जन भागीदारी के माध्यम से वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण एवं जल भंडारण क्षमता में वृद्धि पर विशेष बल दिया जा रहा है। केंद्र सरकार द्वारा वीबी जी राम जी में जल संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है।

वर्कशॉप में विद्यार्थियों को दिए स्नातक के बाद रोजगार हासिल करने के टिप्स

महम। राजकीय महाविद्यालय महम में प्लेसमेंट सेल द्वारा भारत में ग्रेजुएशन के बाद रोजगार के अवसर नामक विषय पर एक दिवसीय वर्कशाप का आयोजन करवाया गया। वर्कशॉप में राजकीय महाविद्यालय भिवानी से प्रोफेसर डॉ आनंद प्रकाश मुख्य वक्ता रहे। जिन्होंने बताया कि स्नातक होने के बाद किन किन क्षेत्रों में रोजगार के क्या क्या अवसर उपलब्ध हैं। इसके अलावा नई शिक्षा नीति की रोजगारपरकता पर भी चर्चा की। यह मुद्दा वर्तमान में महत्व का विषय बना हुआ है। उधमिता को भी रोजगार के विकल्प के रूप में प्रस्तुत किया। अंत में प्राचार्य डॉ. सत्यव्रत सोलंकी ने अतिथि वक्ता का धन्यवाद किया।

लोक-संस्कृति, ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक सजावट ने मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक परिधानों और देसी व्यंजनों की सुगंध से सोमवार को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू) का टैगोर परिसर पूरी तरह उत्सवमय नजर आया। रंग महोत्सव के अंतर्गत आयोजित लोक-उत्सव रंग-तरंग और लोक-व्यंजन उत्सव रंग-व्यंजन ने हरियाणवी सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। परिसर में गूंजती लोक धुनों, ढोल-नगाड़ों की थाप और पारंपरिक सजावट ने ऐसा वातावरण रचा मानो पूरा हरियाणा विश्वविद्यालय में उतर आया हो। रंग-तरंग तथा रंग-व्यंजन का उद्घाटन डॉ. शरणजीत कौर, पूर्व अध्यक्ष भारतीय पुनर्वास परिषद ने किया।

बाजरे की रोटी व सरसों का साग स्वाद चखा

रंग-व्यंजन उत्सव इस आयोजन का विशेष आकर्षण रहा। हरियाणा के स्टॉल पर बाजरे की रोटी, सरसों का साग, कढ़ी-पकौड़ा, मक्की और चने की रोटी, चूरमा, बादाम रगड़ा, चटनियों का चटकारा, सुहाली, गुलगुले, पूड़े, रायता, छाछ और खीर जैसे पारंपरिक व्यंजनों ने लोगों को देसी स्वाद का अनुभव कराया। ग्रामीण जीवन की सादगी और पोषण से भरपूर इन व्यंजनों ने हरियाणवी खानपान की विशिष्टता को उजागर किया। ओडिशा के स्टॉल पर पर पारंपरिक व्यंजनों ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। इन व्यंजनों की अलग स्वाद-संरचना और पारंपरिक विधि ने लोगों को पूर्वी भारत की समृद्ध पाक परंपरा से परिचित कराया।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि प्रत्येक समाज, प्रदेश और राष्ट्र की अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान होती है। कुलसचिव डॉ. कृष्णकांत ने अपने संबोधन में कहा कि विद्यार्थी जीवन केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें सांस्कृतिक अनुभव और सामाजिक सहभागिता भी उतनी ही आवश्यक है।

झज्जर की टीम विजयी

रंग व्यंजन में स्टेट इंस्टिट्यूट ऑफ़ एडवांस स्टडीज इन एजुकेशन झज्जर की टीम ने प्रथम, राजकीय महाविद्यालय, दूबलधन की टीम ने दूसरा और वैश्य कन्या शिक्षण महाविद्यालय, बहादुरगढ़ की टीम ने तीसरा स्थान पाया।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागी को सम्मानित करते मुख्य अतिथि भारतीय पुनर्वास परिषद की पूर्व अध्यक्ष डॉ. शरणजीत कौर। फोटो : हरिभूमि

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देते प्रतिभागी। फोटो : हरिभूमि

आईबी विद्यालय में इंग्लिश-साइंस प्रदर्शनी

रोहतक। आईबी विद्यालय में इंग्लिश एवं साइंस प्रदर्शनी का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, वैज्ञानिक सोच एवं भाषा कौशल का विकास करना था। प्रदर्शनी में कक्षा चार से आंठवी तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।इंग्लिश प्रदर्शनी के अंतर्गत विद्यार्थियों ने स्पीच, कविता पाठ, रोल प्ले, संवाद प्रस्तुति, पोस्टर मेकिंग तथा प्रोजेक्ट वर्क के माध्यम से अपनी अंग्रेजी भाषा दक्षता एवं आत्मविश्वास का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। साइंस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल एवं प्रयोग प्रस्तुत किए, जिनमें सोलर एनर्जी मॉडल, वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट, प्रदूषण नियंत्रण, रोबोटिक्स मॉडल तथा मानव शरीर की संरचना जैसे विषय शामिल थे। छात्रों ने वैज्ञानिक तथ्यों को सरल एवं रोचक तरीके से समझाते हुए उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम के दौरान आई.बी. विद्यालय के चेयरमैन अमरजीत सिंह दुल ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना की।

सूरजकुण्ड मेले में किया कला का प्रदर्शन

रोहतक। श्री लाल नाथ हिन्दू कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा की अध्यक्षता में कुल 60 विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय सूरजकुंड मेला हरियाणा में विभिन्न गतिविधियों भाग लिया । इस यात्रा के समन्वयक डॉ. संदीप कुमार ने इस यात्रा के महत्व को बताते हुए कहा कि सूरजकुंड मेला आयोजन समिति, हरियाणा सरकार के द्वारा इस मेले में भागीदारी के लिए श्री लाल नाथ हिन्दू महाविद्यालय के छात्रों को आमंत्रित किया गया था। यह मेला न केवल एक सांस्कृतिक उत्सव है, बल्कि यह हमारे छात्रों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कला और शिल्प की विभिन्न शैलियों को जानने का एक बेहतरीन अवसर प्रदान करता है। इस दल को रवाना करते समय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल कुमार तनेजा विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह मेला अंतराष्ट्रीय पहचान प्राप्त कर चुका है। इस मेले में भागीदारी कॉलेज के छात्रों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव साबित होगी, जिसमें आपको अपनी कला का प्रदर्शन करने के लिए उत्तम मंच मिलेगा । इसके अतिरिक्त आपको भारत की विविध सांस्कृतिक धरोहर, कुटीर उद्योग, कला, हस्तशिल्प और लोक संगीत के आनंद साथ जानकारी भी मिलेगी ।इस अवसर पर डॉ. मीनाक्षी गुगनानी, डॉ.. वंदना रंगा, डॉ. शिखा, डॉ. नीलम, डॉ. ममता सहगल, डॉ. ऋचा ने इस आयोजन को सफल बनाने में अपना सराहनीय योगदान दिया।

अंतरराष्ट्रीय हिंदी भाषण में नैऋति प्रथम

रोहतक। हिंदी भाषा के माध्यम से भारतीय संस्कृति के वैश्विक स्तर पर प्रचार–प्रसार को समर्पित विश्व हिंदी सचिवालय, मॉरिशस द्वारा मातृभाषा 2026 के उपलक्ष्य में को अंतरराष्ट्रीय हिंदी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन ऑनलाइन (वीडियो माध्यम) से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रतियोगिता का विषय "हिंदी मेरा अभिमान" रहा, जिसमें विभिन्न देशों और क्षेत्रों से प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इसमें रोहतक की 9 वर्षीय नैऋति ने भारत क्षेत्र से प्रथम स्थान प्राप्त किया। नैऋति रोहतक निवासी वरुण मिश्र एवं डॉ. निधि मिश्र की पुत्री हैं तथा वर्तमान में नोएडा (उत्तर प्रदेश) में अध्ययनरत हैं। इतनी कम आयु में नैऋति ने अपने सशक्त वक्तृत्व, आत्मविश्वास और हिंदी भाषा के प्रति गहरे लगाव से निर्णायक मंडल को प्रभावित करते हुए यह उपलब्धि हासिल की। प्रतियोगिता का उद्देश्य मातृभाषा हिंदी के प्रति गर्व और संवेदनशीलता को बढ़ावा देना तथा युवा पीढ़ी को भाषा–संस्कृति से जोड़ना रहा। नैऋति की यह सफलता न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है और यह सिद्ध करती है कि हिंदी आज भी नई पीढ़ी की अभिव्यक्ति और पहचान का सशक्त माध्यम है।

खबर संक्षेप

सिद्धगुरुवर सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के सान्निध्य में प्रातः शुरू हुए धार्मिक अनुष्ठान देर रात तक चले

रोहतक। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर सिद्धेश्वर तीर्थ ब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति में आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव 2026 श्रद्धा, भक्ति और वैदिक मर्यादा के साथ संपन्न हुआ। 'सिद्धगुरुवर' सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव के दिव्य सान्निध्य में प्रातःकाल से आरंभ हुए धार्मिक अनुष्ठान देर रात्रि तक निरंतर चलते रहे। आश्रम परिसर दिनभर शिवनाम, मंत्रोच्चार और भजन की ध्वनि से गुंजायमान रहा। कार्यक्रम में गुजरात के सूरत से सांसद मुकेश कुमार चंद्रकांत दलाल, महाराष्ट्र सरकार में मंत्री राधाकृष्ण विखे पटेल, मध्य प्रदेश शासन में सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, तिरुपति लोकसभा क्षेत्र से सांसद गुरुमूर्ति मद्दिला सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और देश-विदेश से पधारे गुरुभक्त पूर्ण आस्था और अनुशासन के साथ उपस्थित रहे। सभी ने गुरुदेव का आशीर्वाद प्राप्त कर शिव आराधना में सहभागिता की।

एएसपी ने पुलिस लाइन में किया परेड का निरीक्षण

रोहतक। पुलिस लाइन में सोमवार को परेड़ का आयोजन किया गया। एएसपी प्रतीक अग्रवाल ने परेड की सलामी ली तथा पुलिस अधिकारियों जवानो को दिशा-निर्देश जारी किए। परेड मे सभी प्रभारी थाना चौकी, पुलिस कार्यालय ऑफिस व जिला मे तैनात सभी जवानो ने हिस्सा लिया। एएसपी प्रतीक अग्रवाल ने सर्वप्रथम परेड़ की सलामी ली। उसके बाद जवानों ने परेड़ की। एएसपी ने डायल-112 गाडी का निरीक्षण किया व गाडी मे तैनात स्टाफ से फर्सट एड किट व अन्य सुविधा बारे बारिकी से पुछताछ की। एएसपी ने राइडर पर तैनात जवान अधिकारियो को संबोधित करते हुए कहा कि सभी राईडर्स अपने एरिया मे निरंतर गश्त करे।

बैंसी गांव में किसान की तीन भैंस चोरी

महम। लाखन माजरा खंड के गांव बैंसी से चोरों ने किसान की तीन भैंस चोरी कर ली। पशुपालक ने लाखन माजरा थाने में शिकायत दी है। बैंसी गांव निवासी नवीन पुत्र राजिंद्र ने बताया कि उसके पास तीन भैंस और एक कटड़ा थे। मकान के सामने प्लॉट में बांध रखा था। 16 फरवरी को सुबह 4 बजे उसने देखा तो तीनों भैंस वहां पर नहीं मिली। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

महिलाओं ने निकाली कलश यात्रा

सांपला। खंड के गांव गिझी गांव में सोमवार को दादा भैया की याद में कलश यात्रा निकाली गई। ढोल बाजे और जयकारों के साथ यात्रा भैया से शुरू होकर गांव के चारों तरफ घुमती हुई वापस भैया पर संपन्न हुई। इसमें सैंकड़ों महिलाओं ने भाग लिया। मंगलवार को वार्षिक भंडारा लगेगा। कमेटी ने बताया कि सुबह हवन यज्ञ होगा और उसके बाद भंडारा शुरू किया जाएगा। इस मौके पर रक्तदान शिविर भी लगेगा।

MANSAROVER HOSPITAL
MULTI SUPER SPECIALITY HOSPITAL
NEAR PNB BANK, OPP. VIKAS NAGAR, SONIPAT ROAD, ROHTAK, HARYANA
RECEPTION: 01262-253500, 9053005599, 9254302848
REQUIRES
- BAMS 2
- RMO 2
- PRO 2
- NURSING STAFF 4
- ACCOUNTANT 1
- COMPUTER OPERATOR 2
- RECEPTION 2
- WARD BOY 4
- SWEEPER 2

जय श्री बाला जी महाराज
SHRI BALA JI INSTITUTE OF PARAMEDICAL SCIENCE
DR. S.K. SAINI Director
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF SUGUNA SCHOOL OF NURSING BANGLORE
BHUVAN SCHOOL OF NURSING, DR. K.T.V. BANGLORE
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान।
सीमित सीटें। पहले आयें- पहले पायें छात्रावास सुविधा उपलब्ध
DIPLOMA IN G.N.M. (MIF)
योग्यता :- 12th किसी भी विषय में) अवधि :- 3½ वर्ष
कुल सीटें :- 60 दाखिला फीस - 25000/year
परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
DIPLOMA IN PHARMACY
योग्यता:- 12th साईस अवधि:- 2 वर्ष सीटें :- 60
दाखिला फीस: 25000/- year परीक्षा स्थान :- बैंगलोर
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफलाईन दोनों मोड़ में।
5000 Rs मासिक फीस देकर निश्चित सफलता के साथ कोर्स पूरा करें। आज ही अपने प्रमाष-पत्रों के साथ आकर मिले।
DR. S.K. SAINI (Director)
9254233221
रोहतक:- 41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे
बहादुरगढ़ :- पिल्लर नं. 851 के सामने, पुराना बराही रोड पर।
सोनीपत :- HDF C बैंक के सामने, छोटू राम चौक।

अफसरों ने समाधान शिविर में सुनीं लोगों की समस्याएं

रोहतक। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते नगराधीश अंकित कुमार। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

लघु सचिवालय में सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनी गई तथा मौके पर उपस्थित संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र समाधान के निर्देश दिये गए। जिला मुख्यालय के अलावा सांपला व उपमंडल मुख्यालयों पर भी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखी गई। नगराधीश अंकित कुमार ने समाधान शिविर में पुलिस उपाधीक्षक गुलाब सिंह, जिला राजस्व अधिकारी प्रमोद चहल, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल डीएमसी जितेंद्र सिंह, एलडीएम महावीर प्रसाद, जिला सैनिक व अर्धसैनिक कल्याण अधिकारी विंग कमांडर गौरिका सुहाग, भाजपा के प्रतिनिधि एडवोकेट अंकुश बिड्डू सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

शोधार्थियों के लिए रिसर्च मेथोडॉलजी कार्यशाला

रोहतक। मदवि में पीएचडी शोधार्थियों के लिए एक सप्ताह की रिसर्च मेथोडॉलजी कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ हुआ। यह कार्यशाला लाइफ साइंसेज, फार्मास्युटिकल साइंसेज, फॉरेंसिक साइंस तथा यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के शोधार्थियों के लिए 16 से 21 जनवरी तक आयोजित की जा रही है। मुख्य अतिथि के तौर पर प्रो. आरसी कुहाड़, पूर्व कुलपति केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में शोध केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि वैश्विक चुनौतियों के समाधान और सतत विकास की आधारशिला है।

राजकीय कॉलेज में एनएसएस शिविर शुरू

सांपला। राय सिंह राजकीय महाविद्यालय में सोमवार से सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू किया गया। प्राचार्य परमभूषण आर्य ने शुभारंभ करते हुए कहा कि इस तरह के शिविरों से युवाओं में राष्ट्र सेवा की भावना पैदा होती है। कैंप की प्रभारी डाक्टर निधि स्वयं सेवकों को कैंप से होने वाले फायदों व उद्देश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सात दिवसीय एनएसएस शिविर में युवा स्वच्छता, पौधा रोपण, सामाजिक बुराईयों के प्रति जागरूकता संबंधी जानकारी हासिल करेंगे।

प्लेसमेंट संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की

रोहतक। मदवि के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा एम.एससी. पर्यावरण विज्ञान एवं एम.एससी. पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों की अभिभावक-शिक्षक संवाद बैठक का आयोजन किया गया।

खेल नर्सरियों के लिए अब 22 तक करें आवेदन

रोहतक। उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि खेल विभाग द्वारा आगामी सत्र 2026-27 में सरकारी स्कूलों, ग्राम पंचायतों एवं निजी शिक्षण संस्थानों में खेल नर्सरियां आवंटित करने के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिनकी अंतिम तिथि को बढ़ाकर 22 फरवरी कर दिया गया है। गुप्ता ने बताया कि जिला में खेल नर्सरी संचालित करने के इच्छुक सरकारी स्कूल, ग्राम पंचायत एवं निजी शिक्षण संस्थान अब नई तारीख तक आवेदन कर सकते हैं।

टूटी सड़कों के कारण लोग हो रहे चोटिल, बरसात में फिसलन का खतरा

विकास का पहिया गड्ढों में फंसा, छात्र हो रहे परेशान

मॉडल टाउन पावर हाउस की उखड़ी सड़कें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वार्ड-13 के मॉडल टाउन और पावर हाउस क्षेत्र की सड़कें लंबे समय से उखड़ी पड़ी हैं। हैरानी की बात यह है कि इसी इलाके में छोटूराम पॉलिटेक्निक, नेकिराम कॉलेज और जाट शिक्षण संस्था सहित सैकड़ों कोचिंग सेंटर हैं। रोजाना हजारों छात्र-छात्राएं पढ़ाई के लिए यहां आते-जाते हैं, लेकिन बदहाल सड़कों के कारण उनका सफर जोखिम भरा हो गया है। जगह-जगह गड्ढे, टूटी परत और उभरी बजरी से हादसों का खतरा बना रहता है। यहां पर विकास कार्यों का शुभारंभ तो हुआ लेकिन उसकी शुरूआत नहीं हुई।

राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेश अध्यक्ष तन्मय चौधरी का कहना है कि पार्षद चुनाव से पहले भी सड़कें इसी हालत में थीं। चुनाव संपन्न होने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। बार-बार शिकायतों के बावजूद न तो मरम्मत हुई और न ही अस्थायी समाधान किया गया। इससे छात्रों के साथ-साथ क्षेत्र के निवासियों और व्यापारियों को भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। छात्रों के अनुसार, खराब सड़कों के कारण कक्षाओं तक पहुंचने में देरी होती है। बारिश के दिनों में पानी भरने से फिसलन बढ़ जाती है और दुर्घटना का डर रहता है। कई छात्र वैकल्पिक मार्ग अपनाते हैं, जिससे समय और खर्च दोनों बढ़ते हैं। उखड़ी सड़कों से रोज गुजरने के कारण दोपहिया और चारपहिया वाहनों को नुकसान हो रहा है। टायर, सस्पेंशन और ब्रेक जल्दी खराब हो रहे हैं, जिससे वाहन चालकों को बार-बार मेंटेनेंस कराना पड़ रहा है। नागरिकों का कहना है कि निगम को हर तरह का टैक्स समय पर देने के बावजूद सड़क जैसी मूलभूत सुविधा नहीं मिल रही।

स्थायी मरम्मत और समयबद्ध कार्रवाई

क्षेत्रवासियों की मांग है कि अस्थायी पैबंद लगाने के बजाय सड़क की स्थायी मरम्मत कराई जाए। कॉलेज-कोचिंग क्षेत्र होने के कारण ट्रैफिक दबाव अधिक है, इसलिए गुणवत्ता वाली सड़क और नियमित निगरानी जरूरी है। जब तक ठोस कदम नहीं उठाए जाते, तब तक छात्रों और आमजन की परेशानी कम होने की उम्मीद कम ही है।

आज भी सड़कें वैसी

हर दिन कॉलेज जाते समय बच्चों को डर लगने लगा है। बाइक फिसल जाती है, गड्ढों से बचते-बचाते ध्यान पढ़ाई से हट जाता है। चुनाव से पहले वादे हुए थे, लेकिन आज भी सड़क वैसी ही है।

-तन्मय चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष, राष्ट्रीय जाट महासभा

पैदल चलना भी मुश्किल

सुबह-शाम भीड़ रहती है। उखड़ी सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल है। बारिश में पानी भर जाता है, कपड़े और जूते खराब हो जाते हैं। पढ़ाई के साथ यह तनाव अलग से झेलना पड़ता है।

-अक्षय कुमार

कई बार कर चुके शिकायत

हम निगम को सभी टैक्स देते हैं, फिर भी सड़कें बदहाल हैं। गाड़ी का मेंटेनेंस हर महीने कराना पड़ रहा है। कई बार शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। लगता है जिम्मेदारी लेने वाला कोई नहीं

-आयुष कुमार

होनी चाहिए जरूरी सुविधाएं

जहां शैक्षणिक हब हो वहां पर जरूर तमाम सुविधाएं पूरी होनी चाहिए। ताकि वहां पर रहने वाले लोगों के साथ-साथ रोजाना आने वाले छात्रों व वाहन चालकों को भी राहत मिल सके।

-एडवोकेट अमित नांदल

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में आयोजित 'स्वयं दिवस' कार्यशाला में संबोधित करते प्रो. (डॉ.) नवीन कुमार एवं उपस्थित छात्र-शिक्षक।

डिजिटल शिक्षा और क्रेडिट ट्रांसफर पर छात्रों को दी विस्तृत जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के फिजियोथेरेपी संकाय द्वारा स्वयं दिवस एक जागरूकता कार्यक्रम शीर्षक से एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को राष्ट्रीय ऑनलाइन शिक्षण प्लेटफार्मों के प्रति जागरूक करना और डिजिटल माध्यम से उपलब्ध शैक्षणिक अवसरों की जानकारी देना रहा। कार्यक्रम में फिजियोथेरेपी संकाय के लगभग 120 छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

कार्यशाला का आयोजन कुलपति प्रो. बीएम यादव और रजिस्ट्रार प्रो. विनोद कुमार के मार्गदर्शन में हुआ। विश्वविद्यालय में डिजिटल शिक्षण प्लेटफार्मों को नियमित शैक्षणिक प्रक्रिया से जोड़ने के प्रयासों को उनके निरंतर सहयोग से गति मिल रही है। इस अवसर पर डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. नवीन कुमार मुख्य संसाधन व्यक्ति के रूप में उपस्थित रहे।

प्रो. नवीन कुमार ने स्वयं प्लेटफॉर्म की उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह मंच विद्यार्थियों को लचीले ढंग से पढ़ाई करने का अवसर देता है, जहां वे अपनी सुविधा के अनुसार पाठ्यक्रम चुन सकते हैं। उन्होंने पाठ्यक्रम में नामांकन की प्रक्रिया, पर्यवेक्षित परीक्षाओं की व्यवस्था और निःशुल्क शैक्षणिक क्रेडिट अर्जित करने की जानकारी दी।

राष्ट्रीय शिक्षा कार्यशाला

प्रो. संगीता मलिक ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में स्वयं और अन्य ऑनलाइन प्लेटफार्मों की प्रासंगिकता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में बहु-विषयक अध्ययन, लचीलापन और क्रेडिट संचय की व्यवस्था को विशेष महत्व दिया गया है, जिसमें स्वयं जैसे मंच महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला के दौरान क्रेडिट ट्रांसफर नीति, प्रमाणन के लाभ और पारंपरिक कक्षा शिक्षण के पूरक के रूप में ऑनलाइन पाठ्यक्रमों की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा हुई। छात्रों ने प्रश्नोत्तर सत्र में उत्साहपूर्वक भाग लिया और पाठ्यक्रम चयन, परीक्षा प्रक्रिया तथा प्रमाणपत्र की मान्यता से जुड़े सवाल पूछे। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. (डॉ.) संगीता मलिक ने किया, जबकि समन्वय डॉ. ज्योति रानी ने आयोजन सचिव एवं स्वयं समन्वयक के रूप में संभाला। इस अवसर पर डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. पारुल, डॉ. विनोद भाटिया, डॉ. शीतल नंदाल, डॉ. नितिका और सुश्री दीपिका शर्मा सहित फिजियोथेरेपी संकाय के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक छोड़ने और कचरा पृथक्करण पर लोगों को किया जागरूक

- स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 : रेलवे रोड पर जागरूकता, माल गोदाम रोड पर डेयरियों पर सख्ती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025–26 के तहत शहर को स्वच्छ, सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के उद्देश्य से सोमवार को रेलवे रोड पर व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान नगर निगम रोहतक की ओर से नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा के निर्देशन में आयोजित किया गया। नगर निगम आयुक्त ने बताया कि अभियान के दौरान दुकानदारों, रेहड़ी-फड़ी वालों और आम नागरिकों को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने, सार्वजनिक स्थलों पर कचरा न फैलाने और घर व दुकानों पर दो डस्टबिन (गीला व सूखा कचरा) अनिवार्य रूप से रखने के लिए प्रेरित किया। कचरा पृथक्करण (वेस्ट सेग्रीगेशन) को समझाते हुए बताया गया कि गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग निगम की कूड़ा उठाने वाली गाड़ियों में ही दिया जाए।

स्वच्छता ऐप के उपयोग पर जोर

अभियान के दौरान दुकानदारों और नागरिकों को स्वच्छता ऐप के उपयोग की जानकारी भी दी गई। इसके माध्यम से लोग स्वच्छता से संबंधित शिकायत दर्ज कर सकते हैं और फीडबैक देकर शहर को स्वच्छ बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं।

डेयरियों के चालान किए

नगर निगम आयुक्त ने बताया कि जन-जागरूकता अभियान के साथ-साथ माल गोदाम रोड क्षेत्र में स्थित डेयरियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की गई। स्वच्छता नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर चार डेयरियों के चालान काटे गए और उन पर कुल 8000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि गंदगी फैलाने और नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

आईएमटी के बदले घर का सपना अधूरा

- एक दशक से प्लॉट ड्रॉ का इंतजार कर रहे किसान
- कुल 730 प्लाट किसानों को किए जाने है अलाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आईएमटी (इंडस्ट्रियल मॉडल टाउनशिप) के विकास के लिए अपनी पुश्तैनी जमीन सौंपने वाले बलियाणा, खरावड़, खेड़ी साध और नौनंद के किसान आज भी अपने आशियाने का इंतजार कर रहे हैं। नियमों के अनुसार जमीन के बदले रिहायशी प्लॉट मिलने थे, लेकिन करीब एक दशक बीत जाने के बाद भी प्लॉट ड्रॉ नहीं निकाला जा सका।

किसानों का आरोप है कि विभागीय लापरवाही और तकनीकी बहानों के चलते उनका हक अटका हुआ है, जिससे उन्हें मानसिक और आर्थिक दोनों तरह की परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं। किसान कैप्टन शमशेर मलिक ने बताया कि आईएमटी के पहले और दूसरे चरण में रिहायशी प्लॉट के ड्रॉ निकाले गए थे, जिनमें कॉर्नर प्लॉट भी शामिल थे। मगर तृतीय चरण में किसानों के लिए प्रस्तावित ड्रॉ वर्ष 2013 से ही लंबित है। किसानों का कहना है कि इस चरण में कॉर्नर प्लॉट को ड्रॉ से बाहर रखने की तैयारी न केवल भेदभावपूर्ण है, बल्कि तय नियमों के भी खिलाफ है। इससे किसानों में गहरी नाराजगी है। किसानों ने स्पष्ट किया कि उन्होंने तय शर्तों के अनुसार प्लॉट की 10 प्रतिशत मार्जिन मनी समय रहते जमा कर दी थी। कुल 730 रिहायशी प्लॉट किसानों को मिलने हैं, जिनके लिए भुगतान भी किया जा चुका है। इसके बावजूद न तो ड्रॉ की तारीख तय हो सकी और न ही कोई ठोस निर्णय सामने आया। किसानों का आरोप है कि राशि जमा कराने के बाद भी प्रक्रिया पूरी न होना सरासर अन्याय है।

2024 में प्रारंभ हुई प्रक्रिया फिर अटकी

वर्ष 2024 में बीच में प्रक्रिया शुरू होने से किसानों में उम्मीद जगी थी, लेकिन कुछ ही समय बाद मामला दोबारा ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। अधिकारी तकनीकी दिक्कतों का हवाला देकर जिम्मेदारी से बचते रहे। किसानों का कहना है कि हर बार आश्वासन मिल जाता है, पर जमीनी स्तर पर काम आगे नहीं बढ़ता।

कमेटी बनी, सत्यापन भी अधूरा: मामले के समाधान के लिए उपायुक्त, हरियाणा स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अधिकारियों और दो अन्य अफसरों की एक कमेटी भी गठित की गई थी। इस कमेटी को किसानों के कागजात का सत्यापन करना था, लेकिन यह प्रक्रिया आज तक पूरी नहीं हो सकी। किसानों का कहना है कि सत्यापन अधूरा रहने से ड्रॉ की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पा रही।

एमडी से मुलाकात कार्रवाई का भरोसा

पंचकूला जाकर एचएसआईडीसी के मैनेजिंग डायरेक्टर से मिलने वालों में किसान मोहित, प्रेम सिंह, संदीप, सुरेश और पूर्ण सिंह प्रमुख रहे। किसानों ने एक सुर में कहा कि भुगतान के बाद भी प्लॉट न देना अन्याय है। साथ ही कॉर्नर प्लॉट को बाहर रखना भेदभाव का संकेत है। अधिकारियों ने उनकी बात सुनकर उचित कार्रवाई का आश्वासन

कलानौर में राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मान समारोह 2026 का भव्य आयोजन 22 फरवरी को होगा

रोहतक। 22 फरवरी 2026 रविवार को निराला साहित्यिक एवं कला मंच, कलानौर तथा हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी, पंचकूला के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय साहित्यकार सम्मान एवं पुस्तक लोकार्पण समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन सती भाई साईं दास धर्मशाला, टिकाना, अनाज मंडी रोड, कलानौर में होगा। समारोह की अध्यक्षता डॉ. धर्मदेव विद्यार्थी करेंगे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. सोरभ पांडेय उपस्थित रहेंगे। अति विशिष्ट अतिथियों में डॉ. शिव कुमार 'शिव' एवं डॉ. एहसान अहमद शामिल होंगे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ. शिवनाथ सिंह, महंत स्वामी रामसुख दास, महंत ईश्वर शाह और अन्य गणमान्य विद्वान कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। इस अवसर पर देशभर के प्रतिष्ठित साहित्यकारों को सम्मानित किया जाएगा तथा नवीन पुस्तकों का लोकार्पण भी होगा।

हरिभूमि

आवश्यक सूचना

जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-

हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

राष्ट्रीय गुरुकुलीय सत्यार्थ प्रकाश परीक्षा में विश्ववारा कन्या गुरुकुल की छात्राएं चमकी

रोहतक। आचार्य ज्ञानेश्वर की पुण्यस्मृति पर आर्योदय गुरुकुल सोनीपत में आयोजित समारोह में राष्ट्रीय गुरुकुलीय 'सत्यार्थ प्रकाश परीक्षा-2025' के परिणाम घोषित किए गए। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में देशभर के 55 गुरुकुलों के करीब 3800 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता के वरिष्ठ वर्ग में विश्ववारा कन्या गुरुकुल, रुड़की (रोहतक) की छात्रा कु. दीपांशी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं कनिष्ठ वर्ग में इसी गुरुकुल की कु. हिमांशी ने सर्वोच्च स्थान हासिल कर संस्थान का नाम रोशन किया। केंद्र स्तर पर वरिष्ठ वर्ग में ब्र. आरजू, चेतना और भव्या ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त किए। कनिष्ठ वर्ग में ब्र. लविश, लक्ष्मी (8) और लक्ष्मी (9) ने शीर्ष स्थानों पर सफलता हासिल की।

स्वास्थ्य जांच कैंप में 112 लोगों की एनीमिया और पोषण स्थिति जांची

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय परिसर में सोमवार को एनीमिया मुक्त, पोषण युक्त कैंपस अभियान के अंतर्गत एक फॉलो-अप स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ साइंसेज द्वारा किया गया। यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ साइंसेज के निदेशक प्रो. मुनीष गर्ग ने बताया कि शिविर में कुल 112 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनकी एनीमिया और पोषण स्थिति की जांच की गई। इस दौरान प्रतिभागियों के विभिन्न स्वास्थ्य मानकों का परीक्षण किया गया तथा उन्हें संतुलित आहार, स्वस्थ जीवनशैली और निवारक स्वास्थ्य उपायों के बारे में विस्तृत परामर्श प्रदान किया गया। प्रो. मुनीष गर्ग ने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य एनीमिया और पोषण संबंधी समस्याओं की समय रहते पहचान कर उचित हस्तक्षेप सुनिश्चित करना तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाना था।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर 35 करोड़ से व्हीकल अंडरपास बनेंगे: डीसी

- बहलबा स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के सामने एवं मदीना में राष्ट्रीय राजमार्ग पर होगा निर्माण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

डीसी सचिन गुप्ता ने विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्रकाश व्यवस्था एवं एक्सेस कंट्रोल में सुधार, प्रमुख जंक्शनों पर ट्रैफिक सिग्नल अनुकूलन, शहरी एवं बाजार क्षेत्रों में पैदल यात्री सुविधाओं के त्वरित निर्माण के निर्देश दिए हैं। गुप्ता सोमवार को लघु सचिवालय में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा बहलबा स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर के सामने एवं मदीना में राष्ट्रीय राजमार्ग पर 35 करोड़ की धनराशि से व्हीकल अंडरपास का निर्माण करवाया जाएगा। कलानौर में निगाना मोड से अवैध कब्जे को 27 फरवरी तक हटवाना सुनिश्चित करने के निर्देश डीसी ने संबंधित अधिकारियों को मीटिंग में दिए। कहा कि सभी विभागों को कार्य पूर्णता तिथि एवं जियो-टैग्ड फोटो सहित एक्शन टेकन रिपोर्ट (एटीआर) प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। ताकि पारदर्शिता, निगरानी एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। डीसी ने कहा कि इंजीनियरिंग सुधार, सख्त प्रवर्तन एवं सतत जन-जागरूकता अभियान आपसी समन्वय से ही सड़क दुर्घटनाओं एवं जनहानि में स्थायी कमी लाई जा सकती है।

मृत्यु अंत नहीं है

मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।

तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश

आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra

नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400

मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

विकास | अधिकारियों का दावा, गलियां न केवल चलने में सुविधाजनक होंगी, बल्कि देखने में भी आकर्षक लगेंगी

गाइडलाइन बदली, अब हर ब्लॉक के 5 गांवों में बनेंगी स्मार्ट स्ट्रीट

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

विकास एवं पंचायत विभाग ने स्मार्ट स्ट्रीट की गाइडलाइन में फेरबदल किया है। अब प्रत्येक ब्लॉक के 5 उन गांवों में स्मार्ट स्ट्रीट 'गली; बनेगी, जिसकी आबादी खंड में सबसे ज्यादा है। इससे पहले सरकार ने तय किया था कि जिस गांव की आबादी 10 हजार से अधिक होगी, वहां स्मार्ट बनेंगी। पुरानी गाइडलाइन के मुताबिक स्कीम के प्रथम फेज में प्रदेश से 111 गांव का चयन किया गया था।

रोहतक का विकास एवं पंचायत विभाग एक दो दिन में गांवों और गलियों का सलेक्शन करके रिपोर्ट सरकार को भेज देगा। ताकि गली बनाने की प्रक्रिया शुरू हो। ध्यान ये भी

रहे कि देश में स्मार्ट सिटी बनाने की घोषणा भी कई साल पहले सरकार ने की थी। उसके बाद कितने और कैसे स्मार्ट सिटी बने, इसकी जानकारी हर किसी को है।

हरियाणा सरकार ग्रामीण बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए स्मार्ट गलियां विकसित कर रही हैं। इस पायलट परियोजना के तहतगांव में बेहतर स्वच्छता, सुरक्षा और शहर जैसी सुविधाएं मिलेंगी,ये सरकार का कहना है। इन गांवों में एक-एक गली को स्मार्ट स्ट्रीट के रूप में विकसित किया जाएगा जहां आधुनिक स्ट्रीट लाइट, इंटरलॉकिंग टाइल, पानी निकासी के लिए नाला और सीसीटीवी कैमरों की निगरानी की व्यवस्था होगी। स्मार्ट स्ट्रीट निर्माण के तहत गली को इंटरलॉकिंग टाइल से तैयार किया जाएगा। इसके दोनों ओर पानी निकासी के लिए अलग से नाला बनाया जाएगा। गलियों में स्ट्रीट लाइटिंग, पैदल चलने के लिए फुटपाथ, हरियाली के लिए पौधे, आकर्षक पेवर ब्लॉक, बेहतर नाली व सीवरेज व्यवस्था की जाएगी। गलियों को इस तरह विकसित किया जाएगा कि वे न केवल सुविधाजनक हों, बल्कि देखने में भी आकर्षक लगें।

एस्टीमेट बनाने में जुटा विभाग

पंचायती राज तकनीकी विंग इन गांवों की गलियों को स्मार्ट स्ट्रीट बनाने के लिए एस्टीमेट तैयार करने में जुटा है। एक दो दिन पंचायती राज विभाग द्वारा इन गलियों के एस्टीमेट सरकार को भेजे जाएंगे। प्रत्येक गांव की एक स्मार्ट स्ट्रीट पर करीब 25 से 30 लाख रुपये की अनुमानित लागत आएगी, ऐसा अनुमान पंचायत विभाग ने लगाया है। गली का चयन ग्राम पंचायतों की तरफ से किया गया है। इसका प्रस्ताव भी पारित हो चुका है।

स्मार्ट विलेज से स्मार्ट स्ट्रीट

गांवों में स्मार्ट स्ट्रीट का कॉन्सेप्ट ग्रामीण क्षेत्रों के आधुनिकीकरण के लिए स्मार्ट विलेज पहल से लिया गया है। यह विचार मुख्य रूप से गांवों के बुनियादी ढांचे को सुधारने और निवासियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आया है, जैसे कि 2016 में सोनीपत के झट्टीपुर गांव का 'स्मार्ट विलेज' के रूप में विकास किया गया। ये कॉन्सेप्ट केंद्र सरकार के 'स्मार्ट सिटी' और डिजिटल इंडिया मिशन से प्रभावित है, जिसे अब ग्रामीण स्तर पर लागू किया जा रहा है।

गलियां बनाने के लिए खाका तैयार

एक-दो दिन में विभाग स्मार्ट गलियों के नाम को अंतिम रूप दे देगा। गलियां न केवल चलने में सहज होंगी। बल्कि सुंदर भी होंगी। इसके लिए बकायदा पूरा खाका तैयार कर लिया गया है और जल्द ही कार्य भी किया जाएगा जिससे शहर को एक नया रूप मिलेगा।

-राजपाल चहल, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी